10to19 Community

DASRA ADOLESCENTS COLLABORATIVE

अब मेरी बारी

घोषणापत्र

गर्ल चैंपियंस द्वारा किशोरों के मुद्दों पर

Special thanks to all the members of the 10to19 Community of Practice for their support and participation.

अब मेरी बारी किशोरियों द्वारा चलाया जा रहा एक अभियान है जिस के माध्यम से उनके मुद्दों को अधिकारीयों और अन्य सहभागियों तक पहुँचाया जा रहा है।

इस अभियान का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में किशोरियों की माध्यमिक शिक्षा को पूरा करना, क्षमता और संसाधनों को मज़बूत बनाना, शादी की उम्र और पहली गर्भावस्था में देरी करना है।

यह कार्क्रम समुदाय के परीक्षण (सोशल ऑडिट) पर केंद्रित है जिस में गर्ल चैंपियंस ने झारखण्ड में किशोरों के लिए सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन किया। ऑडिट के दौरान, गर्ल चैंपियंस ने पाँच किशोरों से सम्बंधित विषय चुने : स्वास्थ्य, सुरक्षा, पोषण, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य और शिक्षा।

विषय सम्बन्धी जानकारी पाने के लिए, गर्ल चैंपियंस ने गाओं और ब्लॉक स्तर पर महत्वपूर्ण सेवादाताओं को चुना जिनसे वे स्वयं जानकारी पा सकें।

इस सक्रिया के बाद, उन्होंने 10 -12 उचित प्रश्न को प्राथमिकता देते हुए अपने सुझाव प्रस्तुत करे। यह प्रस्तुति गर्ल चैंपियंस केअनुभवों पर आधारित उनकी स्थानीय स्थिति को दर्शाने का एक प्रयास है। इस कार्यक्रम द्वारा व्यक्त किया गया तथ्य (data) और अन्य जानकारी स्थानीय स्थिति का वव्यापक विवरण नहीं करती हैं।

150
गर्ल चैम्पियन

6
जिले

15
हिस्सेदार

13
ब्लॉक

63
गांव

100+
प्रश्न

* Ab Meri Baari Girl Champions are a group of young girls selected to represent their villages by partner organisations. These girls were trained through multiple workshops to develop and implement the social audit survey in their villages.

** Partner organisations comprise of Child In Need Institute, Center For Catalyzing Change and Quest Alliance in the state of Jharkhand.

AbMeriBaari

सम्पूर्ण झारखण्ड में 150 गर्ल चैम्पियनों ने सरकारी सेवाओं का सामाजिक परिक्षण 6 जिलों के 63 गावों में करवाया। प्रस्तुत आंकड़ें युवतियों के नेतृत्व में किया गया विश्लेषण है।

हमें प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर युवा मैत्री केंद्र उपलब्ध कराई जाये जिसमे उपलब्ध सेवाओं के विषय में स्पष्ट जानकारी हो

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में युवा मैत्री केंद्र की उपस्थिति

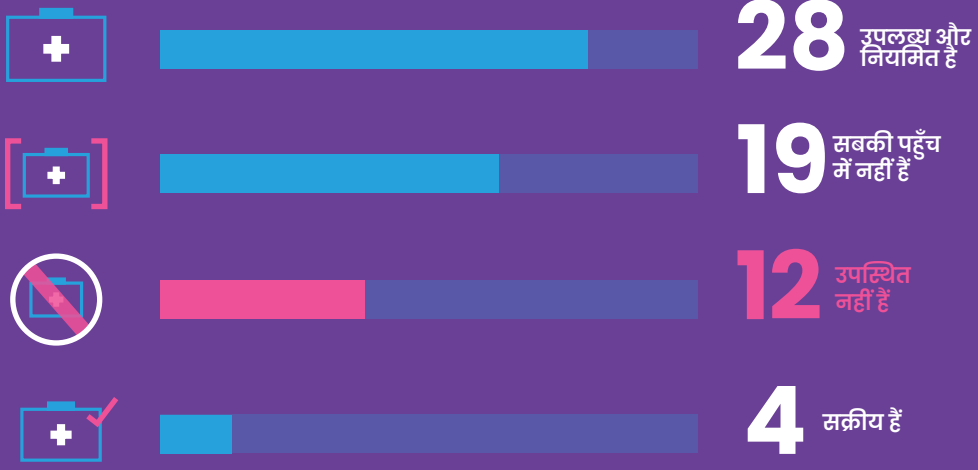

*63 गाओं से इकठा की हुई जानकारी पर आधारित

सुझाव

- युवा मैत्री केंद्र पर किशोरों की जागरूकता को बढ़ावा दें
- सहिया (आशा),ए.एन.एम. और सलाहकार को गांव के सभी सेवाओं को सभी युवतियों तक पहुँचाने हेतु एकत्र हों
- युवा मैत्री केंद्र खुलने के दिन को बढ़ाकर सप्ताह में छह दिन किया जाय

युवा मैत्री केंद्र में गर्भनिरोधक तरीके,परामर्श सेवाएं और दूसरी उपलब्दवाओं के विषय को समझाने में हमारी मदद करें

युवा मैत्री केंद्र में सूचना, परामर्श और उपचार का प्रावधान

14
उपलब्ध नहीं हैं

11
उपलब्ध हैं मगर गुणवत्ता नहीं है

24
सबकी पहुँच नहीं हैं

14
सबकी पहुँच में हैं

*63 गाओं से इकठा की हुई जानकारी पर आधारित

सुझाव

- मासिक धर्म और लैंगिक स्वास्थ्य के मामलों में युवतियों की मदद के लिए महिला स्वास्थ्य अधिकारियों और पार्षदों की उपस्थिति
- गर्भ निरोधक विकल्पों और उचित कंडोमों और गर्भ निरोधक गोलियों की उपलब्धता के विषय में जानकारी देना
- मासिक धर्म से होने वाली पीड़ा को समाप्त करने के लिए आवश्यक औषधियों की उपलब्धता

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से हमें गैर-संक्रामक और संक्रामक बिमारियों जैसे आर.टी.आई,एस.टी.आई,एड्स की जानकारी मिले

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सूचना के प्रसार के तरीके

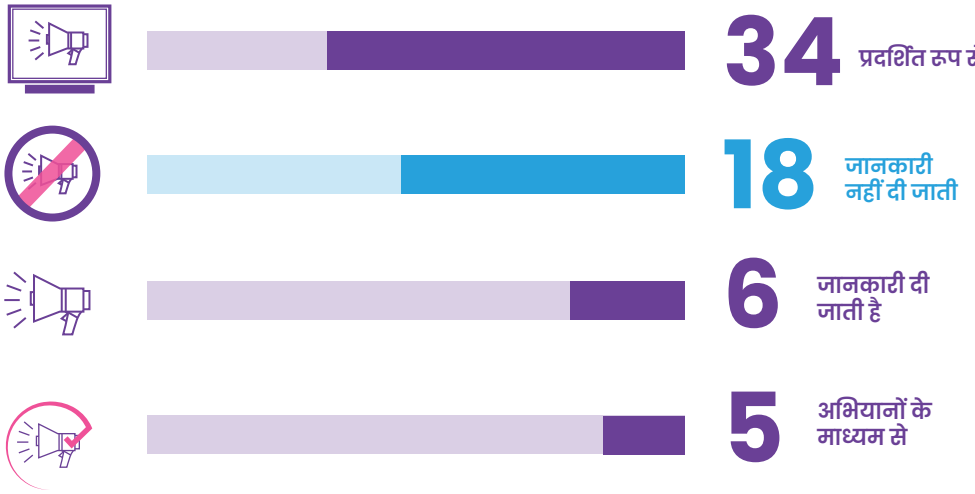

*63 गाओं से इकठा की हुई जानकारी पर आधारित

सुझाव

- आंगनवाड़ी केंद्र और उप केंद्र पर आर.टी.आई ,एस.टी.आई ,एड्स की जानकारी दें
- प्रशिक्षित ए.एन.एम द्वारा आर.टी.आई ,एस.टी.आई, कंड़ोम और ओरल पिल की शिक्षा दें और बीमारी के विषय में खुली चर्चा का माहौल बनाएं
- स्वच्छ स्वास्थ्य आदतों को लेकर एएनएम और सहिया (आशा) के माध्यम से जानकारी प्रसारित करें
- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर महिला चिकित्सकों की नियुक्ति हो जिससे चिकित्स्कों और युवतियों के बीच खुला संवाद हो सके

हमारे विद्यालयों में पंजीकृत हुए छात्रों के अनुसार अध्यापकों की संख्या में वृद्धि किये जाने की आवश्यकता है

छात्रों की संख्या के अनुसार शिक्षकों की उपलब्धता

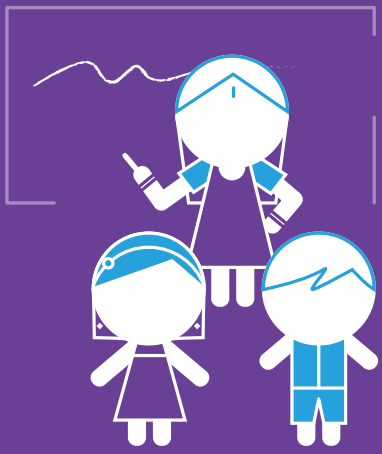

20
उपलब्ध नहीं हैं

5
पहुँच नहीं हैं

14
उपलब्ध हैं मगर गुणवत्ता नहीं है

24
उपलब्ध हैं और सबकी पहुँच में हैं

*63 गाओं से इकठा की हुई जानकारी पर आधारित

सुझाव

- समान संख्या में पुरुष और महिला अध्यापकों का प्रतिनिधित्व हो ताकि लड़के और लड़कियां विश्वास बनाने में सरलता महसूस करें और मामले को साझा करें।
- अभिभावक समेत सामुदायिक सदस्यों को सक्रीय करें कि वह विद्यालय प्रबंधन कमिटी से स्टाफ में अध्यापक की संख्या बढ़ाने को कहे।

सरकारी विद्यालयों में कम से कम 8 वीं कक्षा तक के लिए हमें समय पर शैक्षणिक और पाठ्येतर सामिग्री दी जाये

8 वीं कक्षा तक मुफ्त पुस्तकों की उपलब्धता

*63 गाओं से इकठा की हुई जानकारी पर आधारित

सुझाव

- शैक्षणिक सत्र शुरू होने के पूर्व पुस्तकें भेजें
- कंप्यूटर लैब,खेल सामिग्री और खेल का मैदान उपलब्ध कराएं
- शिक्षा के पूरा होने को सुनिश्चित करें और सहायक पाठ्यक्रमों और उपचारात्मक कक्षाओं के माध्यम से कौशल्य आधारित व्यवसाय उपलब्ध हो

सरकारी स्कूलों में हमें लड़कों और लड़कियों को साफ और सुरक्षित सुविधाएँ अनिवार्यतः देनी चाहिए

सरकारी स्कूल में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग और स्वच्छ शौचालय का प्रावधान

15
उपलब्ध नहीं हैं

10
पहुँच नहीं हैं

13
उपलब्ध हैं मगर गुणवत्ता नहीं है

25
उपलब्ध हैं

*63 गाओं से इकठा की हुई जानकारी पर आधारित

सुझाव

- नियमित तौर पर विद्यालयों के शौचालयों की स्वछता रखें
- विद्यालयों में दिव्यांगों के लिए विशेष व्यवस्था हो
- विद्यालयों में मुफ्त के सेनेटरी पैड की स्वछता सुनिश्चित करें
- विद्यालयों में सेनेटरी पैड की उपलब्धता और सुलभता के लिए वेंडिग मशीन लगवाएं

7

हमारे आंगनवाड़ी केंद्रों पर सेनिटरी पैड उपलब्ध होना चाहिए

आंगनवाड़ी केंद्रों में सेनेटरी नैपकिन का प्रावधान

50 उपलब्ध नहीं हैं

7 सबकी पहुंच में नहीं हैं

4 उपलब्ध हैं मगर गुणवत्ता नहीं है

2 उपलब्ध हैं और अच्छे स्तर के हैं

*63 गाओं से इकठा की हुई जानकारी पर आधारित

सुझाव

- आंगनवाड़ी केंद्रों पर नियमित तौर पर सैनिटरी नैपकिन आपूर्ति करें
- आंगनवाड़ी कर्मचारियों और उच्च अधिकारीयों के बीच स्पष्ट सूचना नेटवर्क हो ताकि सैनिटरी नैपकिन की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे

बाल विवाह रोकने के लिए सभी संस्थाएं हमारे साथ खुली खुली चर्चा करें

बाल विवाह , समय पूर्व गर्भधारण और उससे जुड़े खतरों के विषय में आंगनवाड़ी केंद्रों में जानकारी प्रदान करना

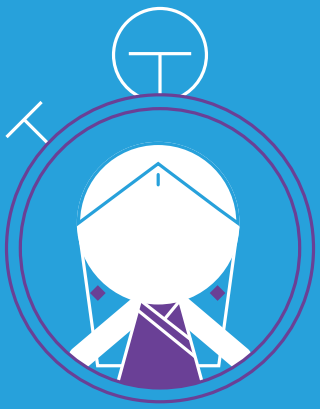

10
जानकारी नहीं दी जाती

47
मौखिक रूप से

3
अभियानों के द्वारा समझाया जाता है

3
प्रसारित रूप से

*63 गाओं से इकठा की हुई जानकारी पर आधारित

सुझाव

- सभी सार्वजनिक संस्थाओं जैसे स्कूल,आँगनवाड़ी केंद्रों और पंचायतों में बाल विवाह के कानूनी प्रावधानों के विषय में जागरूकता फैलाएं
- पंचायत की बैठकों में संवाद प्रारम्भ करें और पंचायत के सदस्यों जैसे मुखिया /प्रधान को बाल विवाह रोकने के लिए मजबूती प्रदान करें
- महिला समूह जैसे ग्रामीण मंच से अभिभावकों को बाल विवाह से होने वाले नकारात्मक परिणामों के विषय में जानकारी दें

हमारी सुरक्षा के लिए हमें पोक्सो (POCSO) और जेजे कानून (JJ Act) के विषय में सूचना दें

सुझाव

- आंगनवाड़ी कर्मचारियों को **पोक्सो** और जेजे कानून का प्रशिक्षण दें जिससे वह युवाओं को वैधानिक प्रावधानों के विषय में बता सकें
- बाल सुरक्षा और अधिकारों के विषय में महिला मंडल और किशोर समूह जैसे मंचों के माध्यम से चर्चा का प्रसार करें
- बाल अधिकारों के विषय में विद्यालय पाठ्यक्रम में जानकारी शामिल करें
- नियमित रूप से बाल अधिकारों को लेकर कैंप और कार्यक्रम का आयोजन करें

स्कूल में पोक्सो और जेजे कानून (JJ ACT) के बारे में जागरूकता के तरीके

*63 गाओं से इकठा की हुई जानकारी पर आधारित

41 जानकारी उपलब्ध नहीं है

19 मौखिक रूप से

2 अभियान के माध्यम से

1 प्रदर्शित की जाती है

पंचायत स्तर पर सूचना के प्रसार पर उच्च अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई सहायता के तरीके

*63 गाओं से इकठा की हुई जानकारी पर आधारित

28 किसी प्रकार का कोई संचार नहीं हुआ

15 जरूरत आधारित संचार

14 नियमित देखरेख

4 हर स्तर पर सह-नियोजन किया गया

10

बाल संरक्षण समिति (वी.एल.सी.पी.सी) को दिशा देने हेतु हमें भूमिका दें

सुझाव

- हर गॉव में सक्रीय बाल संरक्षण समिति (वी.एल.सी.पी.सी) उपलब्ध रहे
- आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से वी.एल.पी.सी.पी.सी से सूचना प्रसारित करें
- महीने में 1 से 2 बार वी.एल.पी.सी कमिटी की नियमित बैठक बुलाएँ
- वी.एल.सी.पी.सी और उसकी कार्यप्रणाली के विषय में पंचायत सदस्यों को प्रशिक्षित करें

बाल संरक्षण समिति (वी.एल.सी.पी.सी) का मूल्य निर्धारण और वितरण

*63 गाओं से इकठा की हुई जानकारी पर आधारित

उपस्थित नहीं **34**

उपलब्ध हैं मगर अनियमित है **14**

नियमित हैं **13**

सक्रीय है **2**

बाल संरक्षण समिति (वी.एल.सी.पी.सी) में पंचायत सदस्यों की भागीदारी

*63 गाओं से इकठा की हुई जानकारी पर आधारित

43 कोई घटना होने पर इसकी चर्चा करती हैं

13 नियमित तौर पर देखरेख

7 सक्रीय रूप से

अब
मेरी
बारी

मुख्य बातें

- अधिकांश गांवों में युवा मैत्री केंद्र सप्ताह में सिर्फ दो बार खुलते हैं।
- अधिकाँश युवा मैत्री केंद्र में जो सेवाएं युवतियों के स्वास्थ्य और स्वछता को मिलनी चाहिए वह उपलब्ध नहीं है।
- यौन प्रजनन स्वास्थ्य को लेकर कैम्प और अभियान के माध्यम से कभी-कभी ही चर्चा की जाती हैं।
- निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध हैं ,मगर उन्हें समयानुसार वितरित नहीं किया जाता।
- किशोरों की जरूरतों के अनुसार मिलने वाली सेवाएं कुछ ही स्कूलों में उपलब्ध हैं।
- अधिकांश आंगनवाड़ियों में पर्याप्त सेनेटरी नैपकिन की उपलब्धता नहीं है और उसकी आपूर्ति अनियमित है।
- आंगनवाड़ियों और अन्य स्थानीय संस्थाओं में बाल विवाह, कम उम्र में गर्भधारण और उससे जुड़ी चुनौतियों के विषय में नियमित आधार पर जानकारी नहीं दी जाती।
- स्थानीय मंचों के माध्यम से बाल सुरक्षा को लेकर वैधानिक प्रावधानों के विषय में जानकारी बहुत कम जानकारी दी जाती है।
- अधिकांश गांवों में बाल संरक्षण समिति (वी.एल.पी.सी) उपलब्ध नहीं है या कार्यरत नहीं है।